भारत सरकार

पंचायती राज मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3708

दिनांक 11.08.2026 को उत्तरार्थ

ई-ग्रामस्वराज में आंकड़ों की गुणवत्ता

†3708. श्री कार्ती पी. चिदम्बरमः

क्या **पंचायती राज मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ई-ग्रामस्वराज पर अपलोड किए गए वित्तीय और नियोजन आंकड़ों की गुणवत्ता के संबंध में स्वतंत्र संपरीक्षाएं आयोजित की गई हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसी पंचायतों की संख्या कितनी है जहां विसंगतियों को चिह्नित किया गया था;

(ग) क्या सामाजिक संपरीक्षा के निष्कर्षों को डिजिटल अभिलेखों में एकीकृत किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या कोई स्वचालित सत्यापन तंत्र शुरू किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पंचायत-स्तरीय सार्वजनिक आंकड़ों की विश्वसनीयता में सुधार के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ङ) पंचायती राज मंत्रालय ने 24 अप्रैल 2020 को 'ई-ग्रामस्वराज पोर्टल' को एक सर्वांगीण, एंड-टू-एंड प्लेटफ़ॉर्म के रूप में प्रारंभ किया, जो पंचायती राज संस्थाओं के कार्यकलापों हेतु समर्पित है। यह एप्लिकेशन योजना निर्माण, लेखांकन, निगरानी एवं परिसंपत्ति प्रबंधन जैसी प्रमुख प्रक्रियाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर एकीकृत करता है तथा ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी प्रदान करता है। इसे सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के साथ भी एकीकृत किया गया है, जिससे पंचायतों द्वारा विक्रेताओं को प्रत्यक्ष डिजिटल भुगतान सुगम हो सके। ई-ग्रामस्वराज पोर्टल में कोई लेखा-परीक्षण मॉड्यूल उपलब्ध नहीं है। हालांकि, पंचायत खातों के लेखा परीक्षण को सुगम बनाने हेतु पंचायती राज मंत्रालय ने 15 अप्रैल 2020 को 'ऑडिट-ऑनलाइन' एप्लिकेशन प्रारंभ किया, जो पंचायत खातों के ऑनलाइन लेखा परीक्षण हेतु समर्पित है तथा लेखा परीक्षकों को अपना कार्य अधिक दक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपादित करने में सहयोग प्रदान करता है।

****